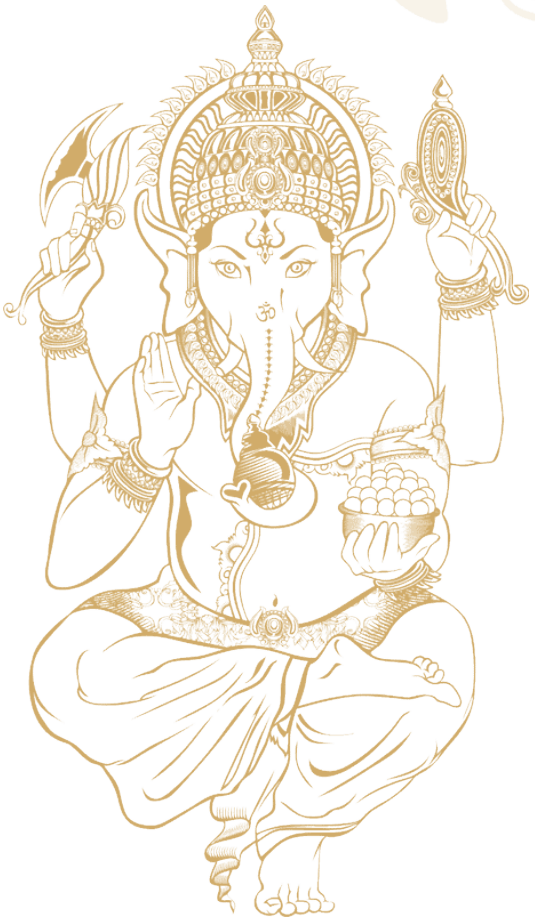

Smita devi

22 Sep 1989

05:45 PM

Begusarai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121093924

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/09/1989**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	30:27:26 घटी
स्थान	**Begusarai**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:25:00 उत्तर
रेखांश	86:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:59:32 घंटे
वेलान्तर	00:07:11 घंटे
साम्पातिक काल	18:04:53 घंटे
सूर्योदय	05:34:01 घंटे
सूर्यास्त	17:42:04 घंटे
दिनमान	12:08:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:45:02 कन्या
लग्न के अंश	07:57:41 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:57:41	495:25:55	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
सूर्य			कन्या	05:45:02	00:58:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			मिथु	11:00:07	13:23:33	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कन्या	08:09:41	00:38:52	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कन्या	10:44:23	01:03:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु			मिथु	15:03:27	00:06:37	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	17:52:29	01:09:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	13:41:15	00:01:06	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	01:37:58	00:00:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	01:37:58	00:00:28	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:41:13	00:00:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:53:34	00:00:02	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	19:40:31	00:01:53	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	07:24:18	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:59

लग्न-चलित

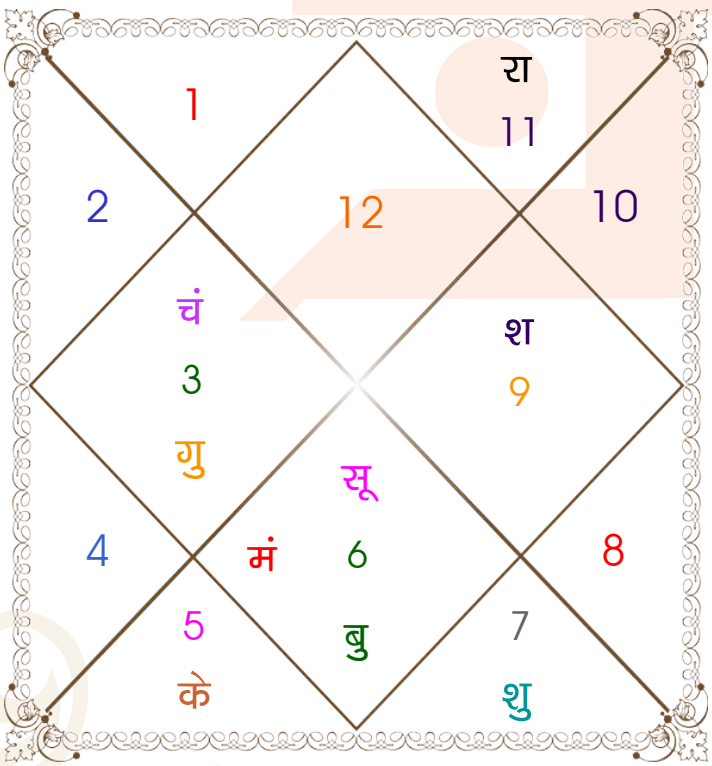

चन्द्र कुंडली

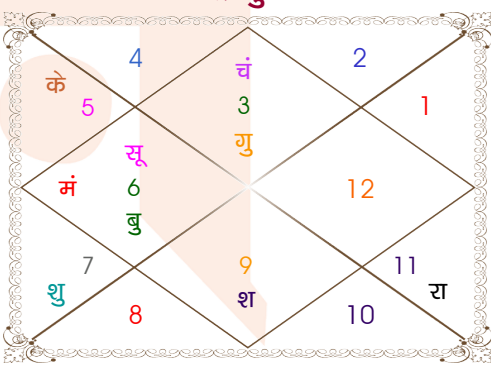

नवमांश कुंडली

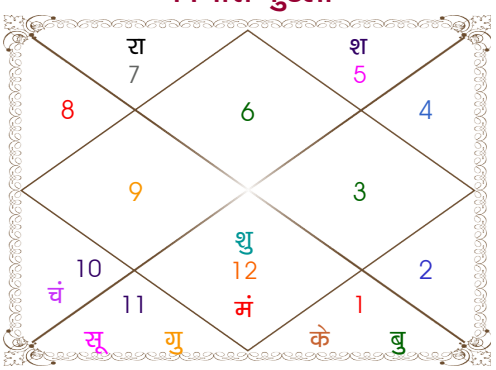

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 1 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/09/1989		15/11/2001		15/11/2017		15/11/2036		15/11/2053	
15/11/2001		15/11/2017		15/11/2036		15/11/2053		15/11/2060	
	00/00/0000	गुरु	03/01/2004	शनि	18/11/2020	बुध	13/04/2039	केतु	13/04/2054
	22/09/1989	शनि	17/07/2006	बुध	29/07/2023	केतु	10/04/2040	शुक्र	13/06/2055
शनि	28/10/1991	बुध	21/10/2008	केतु	06/09/2024	शुक्र	09/02/2043	सूर्य	19/10/2055
बुध	17/05/1994	केतु	27/09/2009	शुक्र	06/11/2027	सूर्य	16/12/2043	चंद्र	19/05/2056
केतु	04/06/1995	शुक्र	28/05/2012	सूर्य	18/10/2028	चंद्र	16/05/2045	मंगल	15/10/2056
शुक्र	04/06/1998	सूर्य	17/03/2013	चंद्र	20/05/2030	मंगल	14/05/2046	राहु	03/11/2057
सूर्य	29/04/1999	चंद्र	17/07/2014	मंगल	29/06/2031	राहु	30/11/2048	गुरु	10/10/2058
चंद्र	28/10/2000	मंगल	22/06/2015	राहु	05/05/2034	गुरु	08/03/2051	शनि	19/11/2059
मंगल	15/11/2001	राहु	15/11/2017	गुरु	15/11/2036	शनि	15/11/2053	बुध	15/11/2060

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/11/2060		15/11/2080		15/11/2086		15/11/2096		17/11/2103	
15/11/2080		15/11/2086		15/11/2096		17/11/2103		00/00/0000	
शुक्र	16/03/2064	सूर्य	04/03/2081	चंद्र	16/09/2087	मंगल	13/04/2097	राहु	30/07/2106
सूर्य	17/03/2065	चंद्र	03/09/2081	मंगल	16/04/2088	राहु	01/05/2098	गुरु	22/12/2108
चंद्र	15/11/2066	मंगल	09/01/2082	राहु	16/10/2089	गुरु	07/04/2099	शनि	23/09/2109
मंगल	15/01/2068	राहु	04/12/2082	गुरु	15/02/2091	शनि	17/05/2100		00/00/0000
राहु	15/01/2071	गुरु	22/09/2083	शनि	15/09/2092	बुध	14/05/2101		00/00/0000
गुरु	15/09/2073	शनि	03/09/2084	बुध	14/02/2094	केतु	11/10/2101		00/00/0000
शनि	15/11/2076	बुध	10/07/2085	केतु	15/09/2094	शुक्र	11/12/2102		00/00/0000
बुध	16/09/2079	केतु	15/11/2085	शुक्र	16/05/2096	सूर्य	17/04/2103		00/00/0000
केतु	15/11/2080	शुक्र	15/11/2086	सूर्य	15/11/2096	चंद्र	17/11/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर ली तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगी। अर्थात् आपका विनाश कर देगी। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दी तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगी। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगी। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगी जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन की स्वामीनी होंगी। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगी। आप समाजिक क्लब की सदस्य होंगी। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगी। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करनी पड़ेगी। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाली बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखती हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करती हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाती हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकती है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करती हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देती हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलती हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति की प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगी तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगी। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकती हैं। यदि आप चयन करेंगी तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।